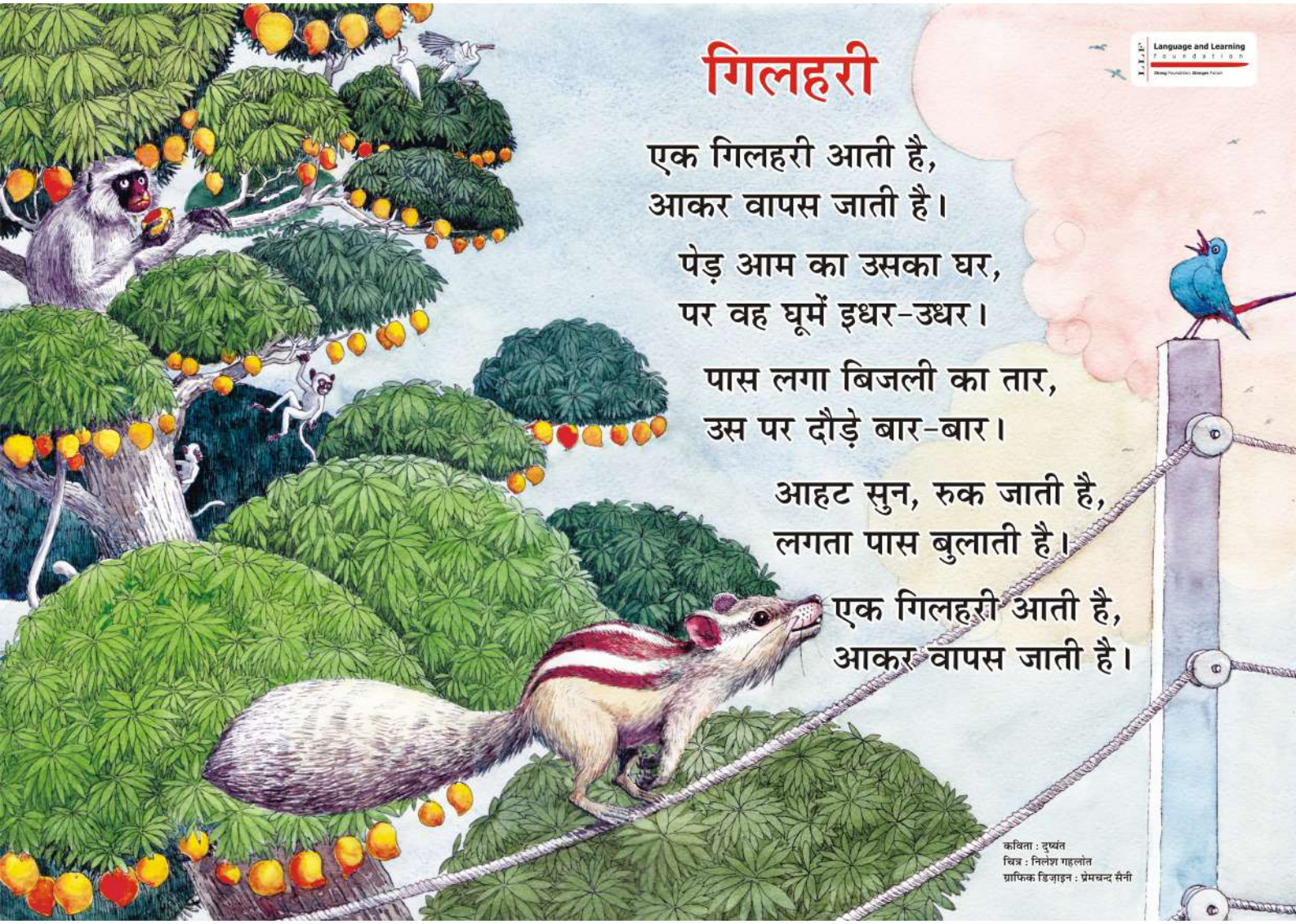
गिलहरी
एक गिलहरी आती है,
आकर वापस जाती है।
पेड़ आम का उसका घर,
पर वह घूमें इधर-उधर।
पास लगा बिजली का तार,
उस पर दौड़े बार-बार।
आहट सुन, रुक जाती है,
लगता पास बुलाती है।
एक गिलहरी आती है,
आकर वापस जाती है।
Language and Learning Foundation
कविता : दुष्यंत
चित्र : निलेश गहलोत
ग्राफिक डिज़ाइन : प्रेमचन्द सैनी